69 हजार से अधिक मतदाताओं को भेजे जाएंगे नोटिस

एसआईआर : प्रारूप मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन

जबलपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत मंगलवार को जिले के सभी मतदान केंद्रों सहित जिला निर्वाचन कार्यालय में प्रारूप मतदाता सूची का विधिवत प्रकाशन किया गया। इसके साथ ही मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा सुधार से संबंधित दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के अवसर पर जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को प्रारूप मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां प्राप्त करने, उनकी सुनवाई तथा निराकरण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को यह अवसर देना है कि वे स्वयं तथा अपने परिवार के सदस्यों के नाम सूची में जांच सकें। यदि किसी मतदाता का नाम सूची में नहीं है या नाम, पता, जन्म तिथि जैसे विवरण में कोई त्रुटि है, तो वह निर्धारित अवधि के भीतर बीएलओ के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सुधार करा सकता है। उन्होंने राजनैतिक दलों से अपील की कि वे इस प्रक्रिया का अपने स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करें और मतदाताओं को जागरूक करने में सहयोग करें। बैठक के दौरान प्रारूप मतदाता सूची की प्रतियां भी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को सौंपी गईं।

मतदान केंद्रों पर सूची उपलब्ध- बैठक में जानकारी दी गई कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत प्रारूप मतदाता सूची जिले के सभी मतदान केंद्रों पर प्रकाशित की गई है। इसके अतिरिक्त मतदाता कलेक्टर कार्यालय अथवा संबंधित विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में भी सूची का अवलोकन कर सकते हैं। मतदाता मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की वेबसाइट और भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी ऑनलाइन प्रारूप मतदाता सूची देख सकते हैं।

नाम जोड़ने और सुधार की सुविधा- निर्वाचन कार्यालय द्वारा बताया गया कि जिन मतदाताओं का नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे बीएलओ को फार्म-6 के साथ घोषणा पत्र प्रस्तुत कर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। वहीं जिन मतदाताओं के नाम सूची में पहले से दर्ज हैं, लेकिन नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि या पते में सुधार कराना चाहते हैं, वे फार्म-8 के माध्यम से सुधार करा सकते हैं। इसके अलावा नाम जोड़ने, हटाने या सुधार से संबंधित आवेदन वोटर्स हेल्पलाइन एप अथवा निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर ऑनलाइन भी किए जा सकते हैं।

मिसमैच और नो-मैपिंग मामलों में नोटिस- राजनैतिक दलों को यह भी बताया गया कि प्रारूप मतदाता सूची में शामिल ऐसे मतदाताओं, जिनकी जानकारी मिसमैच है या जिनकी वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हो पाई है, उन्हें 23 दिसंबर से 14 फरवरी के बीच नोटिस जारी किए जाएंगे। नोटिस के जवाब में संबंधित मतदाताओं को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे, ताकि उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके।

16 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम शामिल- विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत घर-घर सत्यापन और गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिले की आठों विधानसभा क्षेत्रों की प्रारूप मतदाता सूची में कुल 16 लाख 76 हजार 909 मतदाताओं के नाम शामिल किए गए हैं। यह संख्या विशेष पुनरीक्षण शुरू होने से पहले की तुलना में 2 लाख 48 हजार 563 कम है। पुनरीक्षण से पूर्व 27 अक्टूबर 2025 की स्थिति में जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 19 लाख 25 हजार 472 थी।

गणना प्रपत्र न मिलने से हटे नाम- जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार कम हुए मतदाताओं में वे मतदाता शामिल हैं जिनके गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हो सके। घर-घर सत्यापन के दौरान मृत, अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित तथा दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं किए गए हैं। एएसडीआर श्रेणी के इन मतदाताओं की निरसन सूची जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है और मतदान केंद्रों पर भी चस्पा की गई है। यदि दावे-आपत्तियों की अवधि में इन मतदाताओं की ओर से कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उनके नाम अंतिम मतदाता सूची में भी शामिल नहीं हो सकेंगे।

69 हजार से अधिक मतदाताओं को भेजे जाएंगे नोटिस- निर्वाचन कार्यालय ने बताया कि जिले के 69 हजार 262 ऐसे मतदाता, जिनके गणना प्रपत्र तो प्राप्त हुए हैं लेकिन वर्ष 2003 की सूची से उनकी मैपिंग नहीं हो सकी है, उन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे। इन मतदाताओं के नाम प्रारूप सूची में शामिल हैं, लेकिन अंतिम सूची में नाम बनाए रखने के लिए उन्हें निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। नोटिस का वितरण घर जाकर किया जाएगा और उसी पर जवाब प्रस्तुत करने तथा सुनवाई की तारीख का उल्लेख रहेगा। शहर क्षेत्र में 28 स्थानों पर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित तहसील कार्यालयों में सुनवाई की व्यवस्था की जाएगी।

2 लाख 48 हजार 563 मतदाताओं के प्राप्त नहीं हुये गणना प्रपत्र- जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार मतदाताओं के घर-घर सत्यापन के दौरान जिन 2 लाख 48 हजार 563 मतदाओं के गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, उनमें विधानसभा क्षेत्र पाटन के 21 हजार 373, बरगी के 24 हजार 236, जबलपुर पूर्व के 49 हजार 215, जबलपुर उत्तर के 24 हजार 558, जबलपुर केंट के 37 हजार 450, जबलपुर पश्चिम के 43 हजार 631, पनागर के 30 हजार 108 एवं विधानसभा क्षेत्र सिहोरा के 17 हजार 992 मतदाता शामिल हैं।

एएसडीआर श्रेणी के इन मतदाताओं में विधानसभा क्षेत्र पाटन के 6 हजार 282 मृत, 2 हजार 519 अनुपस्थित, 10 हजार 832 स्थानांतरित एवं 1 हजार 693 दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता शामिल हैं। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र बरगी के 6 हजार 200 मतदाता मृत, 4 हजार 833 अनुपस्थित, 11 हजार 139 स्थानांतरित एवं 2 हजार 052 दोहरी प्रविष्टि, जबलपुर पूर्व के 7 हजार 870 मृत, 22 हजार 443 अनुपस्थित, 16 हजार 524 स्थानांतरित एवं 2 हजार 152 दोहरी प्रविष्टि, जबलपुर उत्तर के 4 हजार 974 मृत, 6 हजार 952 अनुपस्थित, 11 हजार 504 स्थानांतरित एवं 1 हजार 072 दोहरी प्रविष्टि, जबलपुर केंट के 5 हजार 115 मृत, 11 हजार 398 अनुपस्थित, 19 हजार 532 स्थानांतरित एवं 1 हजार 040 दोहरी प्रविष्टि, जबलपुर पश्चिम के 6 हजार 615 मृत, 11 हजार 475 अनुपस्थित, 23 हजार 555 स्थानांतरित एवं 1 हजार 720 दोहरी प्रविष्टि, पनागर के 7 हजार 755 मृत, 4 हजार 393 अनुपस्थित, 15 हजार 093 स्थानांतरित एवं 2 हजार 653 दोहरी प्रविष्टि तथा सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के 6 हजार 546 मृत, 2 हजार 665 अनुपस्थित, 7 हजार 258 स्थानांतरित एवं 1 हजार 485 दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाता शामिल है।

मतदान केंद्रों की संख्या में वृद्धि- प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमोदित मतदान केंद्रों की सूची भी जारी की गई है। जिले में मतदान केंद्रों की संख्या बढ़कर अब 2 हजार 321 हो गई है, जो पहले 2 हजार 154 थी। विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तिकरण के बाद यह वृद्धि की गई है, जिससे मतदाताओं को मतदान में अधिक सुविधा मिल सकेगी।

बैठक में ये रहे मौजूद- इस बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति परस्ते सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। निर्वाचन कार्यालय ने सभी दलों से मतदाता जागरूकता और दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा जताई है।

हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन को दिया आदेश

बजरंग दल को शौर्य यात्रा के लिए सशर्त अनुमति पर करें विचार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन को बजरंग दल को शौर्य यात्रा के लिए सशर्त अनुमति प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने यह निर्देश सुप्रीम कोर्ट व मद्रास हाई कोर्ट के न्यायदृष्टांत की रोशनी में दिए । कोर्ट ने बजरंग दल को सक्षम अधिकारी के समक्ष नए सिरे से आवेदन देने के लिए स्वतंत्र किया है।

बजरंग दल, रानी दुर्गावती जिला, जबलपुर की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि वह एक हिंदुवादी संगठन है और विश्व हिंदु परिषद की युवा शाखा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व वाले संघ परिवार का एक सदस्य है। युवाओं में हिंदू मूल्यों, इतिहास और देशभक्ति को बढ़ावा देने और युवाओं और ग्रामीण नागरिकों को हिंदू इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और सनातन धर्म के बारे में शिक्षित करने के उद्देश्यों के साथ विश्व हिंदू परिषद और इसकी युवा शाखा बजरंग दल शौर्य यात्रा आयोजित करते हैं। गीता जयंती के पूर्व संध्या पर बजरंग दल ने चार दिसम्बर को निर्धारित मार्ग पर शौर्य यात्रा की अनुमति के लिए जिला प्रशासन के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था। एसडीएम आधारताल ने पुलिस के प्रतिवेदन के आधार पर उसे निरस्त कर दिया। इसीलिए हाई कोर्ट की शरण ली गई है।

याचिकाकर्ता जिला संयोजक राहुल बर्मन की ओर से अधिवक्ता जीपी सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि गीता जयंती हिंदू त्योहार है, जो श्रीमद भगवद्गीता के जन्म की याद में मनाया जाता है। भगवान कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान में अर्जुन को इसकी दिन गीता की शिक्षाएं दी थीं। भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धर्म की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार व अनुच्छेद 19(1)(इ) के तहत शांतिपूर्वक एकत्र होने का अधिकार है। यात्रा निकालने की अनुमति इस आधार पर नहीं नकारी जा सकती कि कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। प्रशासनिक अधिकारी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कर्त्तव्यबद्ध हैं और सिर्फ अपने कर्तव्यों से बचने के लिए, पुलिस अधिनियम, 1961 की धारा 30 का सहारा लेकर यात्रा निकालने का आवेदन निरस्त कर दिया गया है।

हाई कोर्ट का आदेश

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ताओं ने चार दिसम्बर को यात्रा आयोजित की थी और अगली तारीख के संबंध में कोई आवेदन पेश नहीं नहीं है। उनकी तरफ से मौखिक रूप से बताया गया है कि तारीख में बदलाव कर उसे 27 दिसम्बर किया गया है। याचिका के साथ कोई आवेदन रिकार्ड पर नहीं रखा गया है, इसलिए कोई निर्देश जारी नहीं किया जा सकता है। याचिकाकर्ता को सक्षम अधिकारियों के सामने आवेदन दायर करने की स्वतंत्रता प्रदान की जाती है। सक्षम अधिकारी सुप्रीम कोर्ट व मद्रास हाई कोर्ट द्वारा उपरोक्त निर्देशों को ध्यान में रखते हुए उस पर विचार करें।

भेड़ाघाट में हुआ माघ माह कल्पवास का पत्रक पूजन

हरिभूमि, जबलपुर।

भेड़ाघाट के सीताराम आश्रम में माघ मास कल्पवास का आयोजन पौष पूर्णिमा 3 जनवरी से माघ पूर्णिमा 1 फरवरी तक किया जाएगा।अखिल भारतीय मां नर्मदा चैतन्य महाप्रभु लोक कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजन होगा। मंगलवार को कल्पवास का पत्रक पूजन वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पत्रक किया गया। समिति के उपाध्यक्ष मोहित तिवारी ने बताया कि कल्पवास में सीताराम प्रभात फेरी , मां नर्मदा पूजन, सीताराम संकीर्तन, श्रीमद् भागवत कथा, मां नर्मदा पुराण कथा, परिक्रमा वास किया जाएगा। भोजन प्रसादी की व्यवस्था निरंतर माघ मास भर की जाएगी ।अध्यक्ष श्याम मनोहर पटेल, सचिव सुरेश विश्वकर्मा , सह सचिव दीपक तिवारी, संयोजक सुजीत सिंह रघुवंशी, विनोद दीवान, दुर्गेश लोधी, सत्यप्रकाश नामदेव, विनोद विश्वकर्मा, गणेश विश्वकर्मा, मनोहर विश्वकर्मा, चंद्र कुमार पटेल मौजूद रहे।

एमपी स्टेट बार काउंसिल का आदेश

वन बार-वन वोट नीति के तहत वकील की अपील निरस्त

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल ने के वन बार-वन वोट नीति के तहत अधिवक्ता की वह अपील निरस्त कर दी, जिसके जरिए हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, इंदौर का सदस्य होते हुए भी शुजालपुर अधिवक्ता संघ की अंतिम मतदाता सूची में सम्मलित किए जाने की मांग की गई थी। चेयरमैन राधेलाल गुप्ता ने यह आदेश दिया। स्टेट बार के तदर्थ सचिव नीलेश जैन ने बताया कि अपील पर सुनवाई के बाद अभिनिर्धारित किया गया कि शुजालपुर निवासी अधिवक्ता अजय पाल सिंह जादौन की मांग स्वीकार किए जाने योग्य नहीं है। आदेश पारित करते समय उपलब्ध समस्त अभिलेखों, डिजिटल वेरिफिकेशन रिकार्ड व लागू विधिक प्रविधानों का गहन परीक्षण किया गया। आदेश में यह तथ्य निर्विवाद रूप से स्थापित पाया गया कि अपीलकर्ता स्टेट बार में विधिवत नामांकित अधिवक्ता है। साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ कि निर्वाचन प्रक्रिया हेतु लागू डिजिटल वेरिफिकेशन प्रणाली के अंतर्गत अपीलकर्ता ने स्वयं एमपी आनलाईन के माध्यम से स्थानीय बार एसोसिएशन के निर्वाचन के लिए इंदौर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का चयन किया था। शुजालपुर अधिवक्ता संघ की प्रारंभिक तथा अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के दौरान अपीलकर्ता द्वारा किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति प्रस्तुत नहीं की गई।

राष्ट्रीय एकता शिविर का समापन

लोक संस्कृति को पहचाने, सभी भाषाओं का करें सम्मानः आयुषमंत्री

जबलपुर। प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार के मुख्य आतिथ्य में ट्रिपल आईटीडीएम में राष्ट्रीय एकता शिविर का समापन हुआ। यह शिविर राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल के द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें 12 राज्यों के स्वयं सेवक शामिल हुए थे। शिविर के संगठन व्यवस्था आरडीवीवी द्वारा किया गया था।

इस अवसर पर मंत्री श्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा, इतिहास व अध्यात्म को लेकर शिक्षा का दर्शन, शिक्षा का आधुनिक मॉडल व विरासत से विकास के बारे में सारगर्भित उद्बोधन दिया। इस दौरान उन्होंने 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रयासों में सभी आवश्यक तथ्यों को शामिल करते हुए देश की संस्कृति व परम्पराओं को आगे बढ़ाते हुए देश भक्त व श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण पर बल दिया। उन्होंने प्रकृति संरक्षण के साथ-साथ स्वदेशी उत्पादों का उपयोग, भारत की एकात्मता को बनाये रखने, सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करनें और अपनी मातृ भाषा का सम्मान करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपनी लोक संस्कृति को पहचाने, सभी भाषाओं का सम्मान करें। भारत की एकात्मता के लिए अब राज्य सरकार विश्वविद्यालयों में भारतीय भाषाओं को चयन करने का निर्णय लिया है। भाषाएं जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं। मध्यप्रदेश में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई अब हिन्दी में करने का निर्णय इस दिशा में एक प्रभावी कदम है। 12 राज्यों से आये स्वयं सेवकों से कहा कि वे एक दूसरे को समझने का प्रयास किया, एक दूसरे की लोक संस्कृति को जानने का यह अभिनव प्रयास लघु भारत को चित्रित करता है। उन्होंने कहा कि हमेशा समस्या का समाधान करने वाले बने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आगे आकर कार्य करें। इस दौरान उन्होंने कई ऐतिहासिक तथ्यों पर भी प्रकाश डाला जो भारतीय गौरव व राष्ट्र की अखंडता की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के दौरान रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलगुरू, राज्य के एनएसएस अधिकारी व क्षेत्रीय संचालक सहित बड़ी तादात में राष्ट्रीय स्वयं सेवक व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

संशोधित पॉलिसी के तहत हुई नियुक्तियां यथावत रखने के निर्देश

लीगल एड डिफेंस काउंसेल की नियुक्ति के लिए जारी नई एसओपी निरस्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने उन लीगल एड डिफेंस काउंसेल की नियुक्ति को यथावत रखा है जिनकी नियुक्ति 2022 की संशोधित पॉलिसी के तहत हुई थी। जस्टिस विशाल धगट एवं जस्टिस अनुराधा शुक्ला की खंडपीठ ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 6 अगस्त 2025 को इन पदों पर नियुक्ति के लिए जारी नई एसओपी को निरस्त कर दिया।

अनूपपुर निवासी रामकृष्ण सोनी व अन्य की ओर से अधिवक्ता आलोक गुप्ता , मोहनलाल शर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में नेशनल लीगल सर्विस अथॉरिटी (नालसा) के द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसेल्स की नियुक्ति की है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने 6 अगस्त 2025 को इन पदों पर नियुक्ति के लिए नई एसओपी जारी की है। इसके तहत पहले से कार्यरत काउंसेल्स को कार्यकाल समाप्त होने के बाद दोबारा चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। यह प्रावधान नालसा के नियमों के विपरीत है। नालसा के नियम के तहत पहले से कार्यरत काउंसेल्स के कार्य का मूल्यांकन करते हुए उन्हें एक्सटेंशन देने का प्रावधान है। कोर्ट ने तर्कों से सहमति जताई।

एमपी-एमएलए कोर्ट का आदेश : नुक्कड़ सभा में पांच हैडपम्प लगाने की घोषणा का लगा था आरोप

भाजपा विधायक को चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में राहत

जबलपुर। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट डीपी सूत्रकार ने धौहनी, जिला सीधी से भाजपा विधायक कुंवर सिंह को चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में राहत प्रदान कर दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया कि अभियोजन अपना पक्ष युक्तियुक्त संदेह के परेश प्रमाणित करने में असफल रहा है। परिणामतः अभियुक्त कुंवर सिंह, वर्तमान विधायक को आरोप से दोषमुक्त किया जाता है। मामले की सुनवाई के दौरान विधायक कुंवर सिंह का पक्ष अधिवक्ता विकास मिश्रा ने रखा। उन्होंने दलील दी कि यह मामला दुर्भावना से प्रेरित था। इसलिए निरस्त किए जाने योग्य है। वहीं अभियोजन की ओर से दलील दी गई कि 26 अप्रैल, 2029 को तहसील कार्यालय, मंझौली के भृत्य नीरज कुमार ने सहायक रिटर्निंग आफिसर को दिया था। जिसमें आरोप लगाया था कि विधायक कुंवर सिंह द्वारा ग्राम पंचायत धनौली की नुक्कड़ सभा में पांच हैंडपम्प लगाने की घोषणा की गई थी। यह रवैया आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की परिधि में आता है। जिम्मेदार अधिकारियों ने आरोप की सच्चाई को जाने बिना प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में ले लिया। इस दौरान वीएसटी प्रभारी दिलीप कुमार, राजस्व निरीक्षक, मंझौली से पूछताछ कर कथन दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर आमसभा को कवर कर रहा था। इसी दौरान सरकारी कैमरे की बैटरी डिस्चार्ज हो गई। लिहाजा, निजी मोबाइल से वीडियो बनाया गया। जिसकी सीडी बनाकर निर्वाचन कार्यालय में जमा करा दी गई। किंतु कालांतर में जब फारेसिंग जांच के लिए मोबाइल मांगा गया, तो पता चला कि खराब हो जाने के कारण वह फेंक दिया गया है। इसी वजह से फारेंसिक जांच नहीं हो सकी। इस तरह वीडियो सीडी की सत्यता जानने का साक्ष्य नदारद था। लिहाजा, जिला अभियोजन अधिकारी से अभिमत चाहा गया। उन्होंने प्रकरण को खात्मे के लायक निरूपित किया। इसी आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने न्यायालय में खात्मे का आवेदन प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान कर दी।

संभाग में धान उपार्जन तेज, अब तक 736 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

जबलपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत संभाग के विभिन्न जिलों में धान उपार्जन की प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। प्रशासनिक स्तर पर की गई व्यवस्थाओं और निगरानी के चलते किसानों को अपनी उपज बेचने और भुगतान प्राप्त करने में सुविधा मिल रही है। अब तक संभाग में 736 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस खरीफ सीजन में अब तक 3 लाख 95 हजार 695 किसानों ने धान उपार्जन के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें से 1 लाख 27 हजार 634 किसान निर्धारित उपार्जन केंद्रों पर अपनी उपज का विक्रय कर चुके हैं। किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए भुगतान प्रक्रिया में भी तेजी लाई गई है, जिसके तहत अब तक 53 हजार 485 किसानों को कुल 736 करोड़ 61 लाख 59 हजार रुपये का भुगतान विभाग द्वारा किया जा चुका है। धान उपार्जन कार्य को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए संभागीय कमिश्नर के मार्गदर्शन में संभागीय समितियां तथा कलेक्टरों के निर्देशन में जिला स्तरीय समितियां लगातार निगरानी और पर्यवेक्षण कर रही हैं। किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए प्रशासन सतर्क नजर आ रहा है। अवैध बिक्री और गड़बड़ियों पर नियंत्रण के लिए जबलपुर और बालाघाट सहित अन्य जिलों के उपार्जन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर चेक पोस्ट बनाए गए हैं।

पुतला दहन व सड़क जाम की घोषणा

सिहोरा में वादाखिलाफी को लेकर जनाक्रोश

सिहोरा। चुनावी वादों से मुकरने और आश्वासन के बाद भी वार्ता न होने से सिहोरा में जनाक्रोश चरम पर पहुंच गया है। लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने इसे जनता के साथ खुला विश्वासघात बताते हुए उग्र आंदोलन की घोषणा की है। समिति का कहना है कि आमरण सत्याग्रह जैसे संवेदनशील आंदोलन को झूठे आश्वासन देकर तुड़वाना सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। समिति ने ऐलान किया है कि 25 दिसंबर को सिहोरा नगर एवं सभी ग्राम पंचायतों में मुख्यमंत्री के 101 पुतले जलाए जाएंगे। वहीं 27 दिसंबर को सड़क जाम कर जिला संबंधी वादाखिलाफी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया जाएगा। समिति ने बताया कि 6 दिसंबर से अन्न सत्याग्रह कर रहे प्रमोद साहू के स्वास्थ्य में भी गिरावट आई है। आंदोलन समिति ने सिहोरा वासियों से अपील की है कि यह संघर्ष पूरे क्षेत्र के स्वाभिमान से जुड़ा है और नागरिक अपने-अपने स्तर पर सांकेतिक पुतला दहन कर विरोध प्रकट करें।

देवी भागवत केवल ग्रंथ नहीं : त्रिपाठी

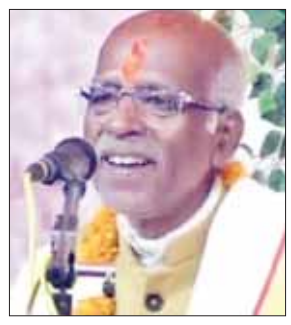

सिहोरा। बाबाताल स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में चल रही नौ दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा के द्वितीय दिवस व्यासपीठ से पंडित इंद्रमणि त्रिपाठी ने देवी भागवत के माहात्य, श्रीशुकदेव जन्म चरित्र और पतित पावनी मां गंगा के धराधाम पर अवतरण की भावपूर्ण कथा सुनाई तथा देवी भागवत के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पुराण केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि साक्षात भगवती का स्वरूप है। कलयुग के अशांत वातावरण में मानसिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति के लिए मां जगदंबा की शरण में जाना ही एकमात्र उपाय है। जो भक्त निष्काम भाव से इस कथा का श्रवण करता है, उसके जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं। शुकदेव जी के अलौकिक जन्म और उनके महान वैराग्य की कथा के साथ महाराज परीक्षित को मोक्ष मार्ग दिखाने वाले शुकदेव जी के चरित्र का वर्णन करते हुए कथावाचक ने बताया कि वे जन्म से ही पूर्ण ज्ञानी थे। उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि सांसारिक मोह-माया के बीच रहकर भी व्यक्ति परमात्मा के प्रति समर्पित रह सकता है।

गौरीघाट में 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का पूर्णाहुति के साथ समापन

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर के गौरीघाट स्थित गीताधाम के सामने मैदान में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित 251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का विधिवत पूर्णाहुति एवं देव विदाई संस्कार के साथ समापन हुआ। अंतिम दिवस पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धामय वातावरण से ओतप्रोत रहा। शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे केंद्रीय प्रतिनिधि श्री श्याम बिहारी दुबे ने जबलपुर में धर्म और संस्कारों की निरंतर ज्योति प्रज्वलित रहने की कामना की। लगभग चार घंटे चले समापन कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर जगद्गुरु स्वामी नरसिंह देवाचार्य जी महाराज, गायत्री शक्तिपीठ के प्रधान ट्रस्टी श्री बृज बिहारी शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

श्याम सुंदर अग्रवाल कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस पर दो दिवसीय आयोजन

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिवस पर राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. नीलेश पांडे ने विद्यार्थियों को रोचक ढंग से गणित को "मैजिक" के रूप में समझाया। प्राचार्य डॉ. श्रीवास्तव ने गणित को जीवनभर उपयोगी भाषा बताया। आयोजन संयोजक डॉ. सौरभ सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम में व्याख्यान, पोस्टर, मॉडल प्रदर्शनी एवं निबंध प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में तर्कशीलता और सृजनात्मकता का विकास किया जाएगा। इसी क्रम में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा एवं यशोदाबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला में "कॉलेज चलो अभियान" के तहत कक्षा 12वीं की छात्राओं को स्नातक विषयों एवं प्रवेश संबंधी जानकारी दी गई। अभियान में महाविद्यालय के शिक्षकों ने भाग लेकर छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया।

मोहतरा टोल प्लाजा पर एसी 'वूलू' महिला टॉयलेट का शुभारंभ

सिहोरा। रीवा–कटनी–जबलपुर–लखनादौन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना के अंतर्गत नेशनल हाईवे इंफ्रा ट्रस्ट (एनएचआईटी) द्वारा मोहतरा टोल प्लाजा में मंगलवार को प्रीमियम वातानुकूलित 'वूलू' महिला टॉयलेट का शुभारंभ किया गया। यह सुविधा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा करने वाली महिलाओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं आधुनिक टॉयलेट अनुभव प्रदान करेगी। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं के लिए सम्मानजनक और विश्वस्तरीय स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिससे उनकी यात्रा अधिक आरामदायक हो सके। शुभारंभ अवसर पर परियोजना प्रबंधक अमृत लाल साहू, आरकेजेएल प्रोजेक्ट मैनेजर जी. क्रांति, प्लाजा मैनेजर पृथ्वी राठी सहित परियोजना से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। एनएचआईटी की यह पहल महिला सशक्तिकरण, स्वच्छ भारत मिशन और यात्री सुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

जनेकृविवि में एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रघुराज किशोर तिवारी सम्मानित

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रघुराज किशोर तिवारी के आगमन पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। स्वामी विवेकानंद सभागार में हुए कार्यक्रम में कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने फूल माला पहनाकर उन्हें बधाई दी।

कुलपति डॉ. मिश्रा ने कहा कि डॉ. तिवारी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं और उन्हें विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन का नेतृत्व करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। डॉ. तिवारी ने अपने संबोधन में छात्र जीवन में अनुशासन, जिम्मेदारी और संगठनात्मक मूल्यों पर जोर दिया। समारोह में प्राध्यापक, वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित झा ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. ब्रजेश कुमार दीक्षित ने किया।

संत अलॉयसियस महाविद्यालय में वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न

जबलपुर। संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। प्रथम दिन मुख्य अतिथि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों से अपनी क्षमताओं के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित कर चुनौतियों का सामना करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि श्री कमलेश अग्रवाल एवं फा. वी.वी. डेविस उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फा. जे. बेन एंटोन रोज ने सम्मेलन को प्रतिभा प्रदर्शन का सशक्त मंच बताया। दूसरे दिन मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री संपत उपाध्याय ने विद्यार्थियों को राष्ट्र का भविष्य निर्माता बताते हुए कर्तव्यनिष्ठा पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. फा. डेविस जॉर्ज ने की। सम्मेलन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गीत व समूह नृत्यों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन व आयोजन महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग से संपन्न हुआ।

समर्थन मूल्य पर निरंतर चल रही है धान की खरीदी

बरेला। शासन द्वारा किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने के लिए समर्थन मूल्य पर निरंतर खरीदी की जा रही है । बरेला परिक्षेत्र में सहकारी समिति पिंडरई के माध्यम से शारदा वेयरहाउस और ठाकुर वेयरहाउस में खरीदी केंद्र बनाए गए हैं इन खरीदी केंदो में शासन द्वारा निर्धारित माप दंडों के अनुसार धान की खरीदी की जा रही है। शारदा वेयरहाउस में केंद्र प्रभारी अनिल सैन बताया कि अभी तक 109 किसानों से 8600 कुंटल धान खरीदी जा चुकी है इसी प्रकार केंद्र क्रमांक ठाकुर वेयरहाउस में 174 किसानों से 12131 कुंटल धान क्रय की जा चुकी है केंद्र प्रभारी दिनेश साहू ने बताया कि शासन करने के अनुसार स्लॉट बुक किया जा रहे हैं तथा साथ दिवसों के अंदर किसानों का भुगतान भी किया जा रहा है ।केंद्र प्रभारी दिनेश साहू ने सभी किसानों से अनुरोध किया है कि स्लॉट बुक कर ही एफ ए क्यू धान लावे ताकि केंद्र में किसी प्रकार की किसानों को कोई समस्या ना हो।

सुश्री गीता व्यास- गढ़ा बावली के पास निवासी श्री गौरी शंकर व्यास की पुत्री, जैन कन्या शाला से सेवा निवृत्त प्राचार्य सुश्री गीता व्यास (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चमक सिंह- गोरखपुर निवासी श्री चमक सिंह का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री समीरमल जैन- सदर गली नं. 6, सेठ मोहल्ला निवासी श्री समीरमल जैन (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कल्लो बाई कुशवाहा- कैलाशपुरी गुप्तेश्वर निवासी श्री जमुना प्रसाद कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती कल्लो बाई कुशवाहा (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती पुष्पा गिरी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री अमित किशोर गिरी की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा गिरी (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रूपेश जाट- पूर्वी बेलबाग निवासी श्री राजू जाट के पुत्र श्री रूपेश जाट (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राम चरण कुशवाहा- दुर्गा नगर रामपुर निवासी श्री राम चरण कुशवाहा (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रूपेंद्र करोसिया- सिंधी सिंगल क्वाटर लालमाटी निवासी श्री ज्ञान सिंह करोसिया के पुत्र श्री रूपेंद्र करोसिया (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अभिषेक अतरोलिया- खेरमाई वार्ड खटीक मोहल्ला निवासी श्री अशोक अतरोलिया के पुत्र श्री अभिषेक अतरोलिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती तारा दुबे- होम साईंस कॉलेज रोड नेपियर टाउन निवासी श्री महेश दत्त दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती तारा दुबे (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शकुन चौधरी- बड़ी मदार टेकरी ठक्कर ग्राम निवासी श्री अच्छे लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन चौधरी (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शांति बाई बर्मन- ग्वारीघाट थाने के पीछे निवासी श्री दशरथ बर्मन की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई बर्मन (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अभिषेक अतरोलिया- खेरमाई वार्ड खटीक मोहल्ला निवासी श्री अशोक अतरोलिया के पुत्र श्री अभिषेक अतरोलिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कांता बाई झाड़े- बादशाह हलवाई मंदिर के पास कृष्णा हाईट्स के सामने गौरीघाट रोड निवासी श्री महादेव राव झाड़े की धर्मपत्नी श्रीमती कांता बाई झाड़े (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राहुल चौधरी- भातनलैया राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री गणेश चौधरी के पुत्र श्री राहुल चौधरी (27) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गीता तिवारी- ग्रीन सिटी बाबा बर्फानी के पास निवासी श्री सिया शरण तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती गीता तिवारी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती छोटी बाई प्रजापति- लालमाटी द्वारका नगर गोपाल होटल निवासी श्री झाईं लाल प्रजापति की धर्मपत्नी श्रीमती छोटी बाई प्रजापति का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती श्यामा बाई- बिलहरी अम्बेडकर कॉलोनी निवासी श्री पूरन लाल की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा बाई (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजकुमारी रैदास- पचपेढ़ी रोड निवासी श्री कल्लू प्रसाद रैदास की धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी रैदास (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गुलाब कली शुक्ला- लालमाटी शुक्ला होटल के पास निवासी श्री राम लखन शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती गुलाब कली शुक्ला (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रजनीश राजपूत- शीतलामाई वार्ड निवासी श्री लखन लाल राजपूत के पुत्र श्री रजनीश राजपूत (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विष्णु कुमार पटेल- साकार सनराइज भैंसासुर रोड नेपियर टाउन निवासी श्री विष्णु कुमार पटेल (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संदीप विश्वकर्मा- श्रीनाथ की तलैया गंजीपुरा निवासी श्री कालीदास विश्वकर्मा के पुत्र श्री संदीप विश्वकर्मा (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री मुलायम चंद बर्मन- रीवा कॉलोनी रामपुर निवासी श्री मुलायम चंद बर्मन (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हर प्रसाद गुप्ता- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री हर प्रसाद गुप्ता (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

केंटोनमेंट खालसा स्कूल में आयोजित किया गया वार्षिक समारोह

जबलपुर। केंटोनमेंट खालसा उच्चतर माध्यमिक शाला, जबलपुर में विद्यालय का वार्षिक समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री अशोक रोहाणी, विशेष अतिथि डॉ. प्रेमलता चुटेल तथा अध्यक्षता सिख एजुकेशन सोसाइटी की अध्यक्ष श्रीमती अमृत रूपराह ने की। समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत से हुआ। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत एनिमल डांस, सूफी कत्थक, बुंदेलखंडी कर्मा एवं राई नृत्य, कालबेलिया, रामायण नाटक, यूनिटी इन डायवर्सिटी, महाराष्ट्रीयन जोगवा एवं भांगड़ा नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापिका द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि श्री रोहाणी ने विद्यालय के बाहर नाली ढकवाने का आश्वासन देकर विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में सोसाइटी पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं विद्यालय परिवार बड़ी संख्या में उपस्थित रहा। समारोह का समापन भांगड़ा नृत्य के साथ हुआ।

शीतकालीन निःशुल्क ध्यान-योग शिविर आज से

सिहोरा। नवांकुर संस्था स्व सेवा संयोजन समिति के द्वारा पतंजलि महिला योग समिति के सौजन्य से शीतकालीन निःशुल्क ध्यान योग आहार विहार शिविर का आयोजन आज 24 जनवरी से पालीवाल कालोनी में किया जा रहा है शिविर मे पहुंचकर लाभ लेने की अपील संस्था के द्वारा की गई है।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 13 , नगर निगम, जबलपुर
पत्रां क्रं-स.अधि./13/मुख्यालय/2025-26/एम/197
दिनांक:- 23/12/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शरद कुमार विश्वकर्मा पिता स्व. श्री हरिशंकर विश्वकर्मा ने मकान नं. 251, वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी भूतल 621+240 व.फु. प्रथम तल 621 व.फु., शपथपत्र/ मृत्युप्रमाण पत्र/ वसीयतनामा के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर
रा.प्र.क्र.2161/अ-6/2025-26
जबलपुर दिनांक 05/12/25

// आम इश्तेहार //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता ग्राम महेशपुर प.ह.नं. 06 तहसील गोरखपुर-1 जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश अग्रवाल पति/ पिता नन्द किशोर अग्रवाल सा. महेशपुर प.ह.नं. 06, रा.नि.मं. जबलपुर-1 तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर स्थित भूमि खसरा नं. का 37/9 का रकवा 0.0380 वर्गफुट भूमि पर विक्रय पत्र/बंटवारा/वसीयत/फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है।

तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई भी आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित में मय दस्तावेज पेषी दिनांक 30/12/25 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेष कर सकता है। पेषी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह इश्तेहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक:- 05/12/25
पेषी दिनांक:- 30/12/25

मुद्रा

तहसीलदार
गोरखपुर-जबलपुर

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, विजय कुमार गुप्ता (Vijay Kumar Gupta) पिता श्री राधे श्याम गुप्ता (Radhe Shyam Gupta) उम्र 60 वर्ष, निवासी प्लाट नंबर 151, म.नं. 377, फोर्थ गली, संजीवनी नगर, गढ़ा, जबलपुर म.प्र. शपथपूर्वक कथन करता हूं-यह कि, मेरे आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड, पासपोर्ट आदि में मेरा नाम Vijay Kumar Gupta S/o Radhe Shyam Gupta अंकित है, एवं इसी नाम से मैं जाना एवं पहचाना जाता हूं। यह कि, मेरे पासपोर्ट जिसका पासपोर्ट नं. G1431599 जारी किया गया है. जिसमें मेरा नाम Vijay Gupta S/o Radhe Shyam Gupta दर्ज है, जबकि मेरा पूरा नाम Vijay Kumar Gupta S/o Radhe Shyam Gupta है। यह कि, उक्त दोनों नाम मेरे स्वयं के है अर्थात् एक ही व्यक्ति के नाम है, तथा पासपोर्ट में मेरा नाम Vijay Gupta के स्थान पर पूरा व सही नाम VIJAY KUMAR GUPTA पिता Radhe Shyam Gupta दर्ज किया जायें। यह कि, नाम सत्यापन बावत् शपथ पत्र प्रस्तुत है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शास्त्री ब्रिज माडल रोड दवा बाजार के सामने नेपियर टाउन जबलपुर पर स्थित श्री शंकर महादेव जी मंदिर ट्रस्ट एंव काछी धर्मशाला मे बने मकानात व खुली जमीन जिसका सीट न. 155 डी प्लाट न. 691 एरिया 26315 वर्गफुट ख.न. 129,145 तत्कालीन सुभाष नगर मदन महल हेल्थ केंप अब सुभद्रा कुमारी चौहान वार्ड जिसका रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रर्ड पब्लिक टस्ट 247 पर रजिस्ट्रर्ड पब्लिक टस्ट है जिसका रजिस्ट्रेशन सन 1954-55 है । और उस ट्रस्ट की संपत्ति से संबंधित दो व्यवहार वाद,एक विविध अपील, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश जबलपुर तथा एंव अन्य प्रकरण व्यवहार न्यायालय जबलपुर में विचाराधीन है । तथा ऐसा मालूम हुआ है कि कुछ व्यक्ति निजी स्वार्थो के लिये ट्रस्ट की संपत्ति के विरूद्ध कार्य कर रहे है । तथा ट्रस्ट की संपत्ति में बने मकानो पर एंव खुली जमीन पर जबरजस्ती कब्जा करने एंव विक्रय करने की अवैधानिक एंव गैर कानूनी कोशिश कर रहे है । इसलिये किसी भी व्यक्ति व संस्था को ट्रस्ट की संपत्ति को विक्रय व क्रय करने की कोई वैधानिक अधिकार नही है । इसके बाद भी कोई क्रय करता है तो वह अपने आप में शून्य एंव प्रभावहीन होगी और ट्रस्ट पर बंधनकारी नही रहेगी ।

जबलपुर
दिनांक- .12.2025

भवदीय
आर. एस. साहू एडवोकेट
339 घमापुर जबलपुर म. प्र.
मो. न. 9494677618
कार्यालय-339 घमापुर जबलपुर म.प्र.

कृष-4 में रजत बेदी करेगा खूंखार विलेन का रोल!

मुंबई। ऋतिक रोशन की फिल्म कृष-4 बॉलीवुड की कुछ मोस्ट अवेटेड फिल्मों में शुमार है। फिल्म के पिछले सभी पार्ट ब्लॉकबस्टर हिट रहे हैं और चौथे पार्ट का दर्शक काफी वक्त से इंतजार कर रहे हैं। इस बार कई चीजें अलग होने वाली है, लेकिन जिस सवाल का जवाब दर्शक काफी वक्त से जानना चाह रहे हैं वो यह, कि इस बार कौन विलेन का रोल प्ले करता नजर आएगा? इस बार खबर है कि रजत बेदी फिल्म में विलेन का रोल प्ले करते नजर आ सकते हैं। रजत बेदी ने फिल्म 'कोई मिल गया' में निगेटिव रोल प्ले किया था और उनके काम की काफी तारीफ हुई थी।

लाइफ Style

कियारा

किसी भी इंडस्ट्री में तनाव अच्छा नहीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दीपिका पादुकोण के आठ घंटे काम करने की मांग करने के बाद इस मुद्दे को लेकर इंडस्ट्री में एक बहस चल रही है। हालांकि, इस मामले पर दीपिका को इंडस्ट्री के कई लोगों का समर्थन भी मिला है। अब इस बहस में नई-नवेली मां बनीं कियारा आडवाणी ने भी एंट्री की है।

मां बनने के बाद पहली बार कियारा ने अब आठ घंटे काम करने के मुद्दे पर अपनी राय दी है। उन्होंने प्रोफेशनल जिंदगी और पर्सनल जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया है। एक बातचीत में कियारा आडवाणी ने मां बनने के बाद काम और व्यक्तिगत जिंदगी में संतुलन के महत्व को लेकर बात की। आठ घंटे की शिफ्ट पर चल रही बहस के बारे में पूछे जाने पर कियारा ने कहा कि किसी भी इंडस्ट्री में अत्यधिक तनाव किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता। मेरे काम करने का तरीका प्रमुख रूप से तीन प्वॉइंट्स पर निर्भर रहता है। ये हैं- गरिमा, संतुलन और सम्मान। ये तीनों आधार मेरे घर पर और मेरे प्रोफेशनल स्टाफ पर भी लागू होते हैं। अपने काम को लेकर कियारा ने बताया कि वह नई स्क्रिप्ट की तलाश कर रही हैं और आने वाली एक बायोपिक को लेकर खासा उत्साहित हैं। एक्ट्रेस का मानना है कि अब उनके किरदार शैली से ज्यादा कहानी की गहराई पर आधारित होते हैं। अब वह स्क्रिप्ट का चयन कहानी को देखकर करती हैं। उसके जॉनर से कोई लेना-देना नहीं है। बेटी के जन्म के बाद काम को कैसे मैनेज करती हैं, इस पर कियारा ने कहा कि सरायाह के जन्म के बाद से मेंटल हेल्थ मेरी सबसे प्रमुख प्राथमिकता बन गई है।

हॉलीवुड मसाला

परिवार संग आउटिंग पर निकले

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में शुमार जेंडाया और टॉम होलैंड एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई फिल्म या रेड कार्पेट नहीं, बल्कि एक बेहद सादगी भरा फैमिली मोमेंट है। सगाई के बाद दोनों को पहली बार टॉम होलैंड के पूरे परिवार के साथ एक वीकेंड आउटिंग पर देखा गया, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। यह खास आउटिंग लॉस एंजेलिस में आयोजित 'द ट्रेटर्स- लाइव एक्सपीरियंस' के दौरान हुई।

क्रिस्टोफर की द ओडिसी का ट्रेलर रिलीज...

लॉस एंजिल्स। फिल्म 'द ओपेनहाइमर' के बाद क्रिस्टोफर नोलन एक और धमाकेदार फिल्म लेकर दर्शकों के बीच पहुंचने वाले हैं। फिल्म का नाम है, 'द ओडिसी'। इस फिल्म का जब से ऐलान हुआ है, दर्शकों के बीच खासा उत्साह देखा जा रहा है। ट्रेलर में एक्टर मैट डैमन को इथाका के राजा ओडीसियस के रूप में दिखाया गया है, जो ट्रोजन युद्ध के बाद अपने सैनिकों को घर ले जा रहे हैं। 'द ओडिसी' के ट्रेलर में समुद्री दृश्य काफी ज्यादा देखने को मिले हैं, जिन्हें बेहद खूबसूरती से फिल्माया गया है। युद्ध के बाद घर लौटते सैनिक हों या फिर युद्ध के दौरान के हालात। नाव पर सवार सैनिकों के जत्थे वाला सीन रोंगटे खड़े कर देता है। वहीं, ट्रेलर के आखिर में सैनिक की पार्टनर द्वारा लिया गया घर वापसी के वादे वाला सीन काफी मार्मिक है।

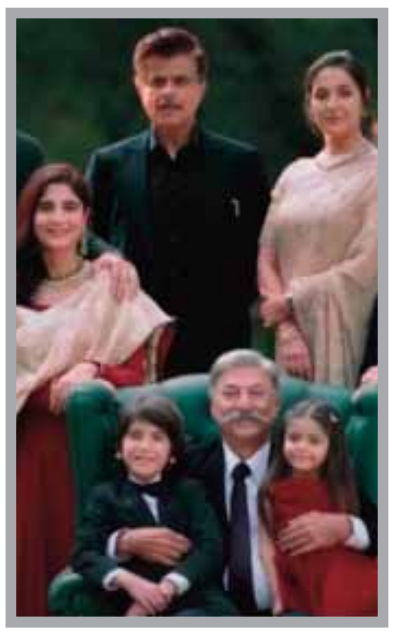

एनिमल के दूसरे पार्ट में भी आएंगी नजर

मुंबई। रणबीर कपूर की ऑलटाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' तमाम आलोचनाओं के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। मेकर्स ने पहली फिल्म के अंत में ही फिल्म के दूसरे पार्ट 'एनिमल पार्क' की घोषणा कर दी थी। एनिमल में रणबीर कपूर की बड़ी बहन का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सलोनी बत्रा हाल ही में अमेजन एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज 'भय' में नजर आई हैं। अब सलोनी बत्रा ने रणबीर कपूर की आगामी फिल्म 'एनिमल पार्क' को लेकर बात की। इस दौरान अभिनेत्री ने कंफर्म किया कि वो एनिमल पार्क का हिस्सा होंगी। अपने रोल को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं 'एनिमल 2' में जरूर रहूंगी। लोगों को एनिमल पसंद आई थी, इसलिए मेकर्स एंटरटेनमेंट और एक्शन के लिए इस तरह की फिल्में बनाना चाहते हैं।

बेटी आराध्या संग न्यू ईयर मनाने निकले

मुंबई। बॉलीवुड के सबसे चर्चित और पसंदीदा कपल्स में शुमार ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन एक बार फिर अपनी पारिवारिक बॉन्डिंग को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में दोनों को अपनी बेटी आराध्या बच्चन के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया, जहां यह कपल फैमिली वेकेशन के लिए रवाना होते नजर आया। एयरपोर्ट पर तीनों का अंदाज बेहद स्टाइलिश, लेकिन कम्फर्टेबल रहा। ऐश्वर्या, अभिषेक और आराध्या तीनों ही ब्लैक आउटफिट में नजर आए, जिसने सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान खींच लिया। हमेशा की तरह ऐश्वर्या ने पैपराजी की मौजूदगी को सहजता से हैंडल किया और मुस्कुराते हुए हाथ हिलाकर अभिवादन किया। हालांकि, अभी ये साफ नहीं हो पाया है कि आखिर बच्चन फैमिली छुट्टियां मनाने के लिए कहां गई है।

टीवी मसाला

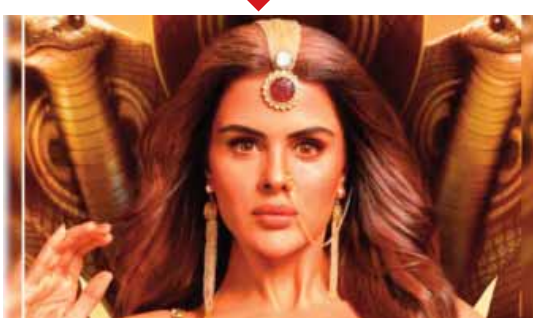

नागिन 7 में प्रियंका के साथ अब साहिल आएगा नजर...

नई दिल्ली। टीवी की दुनिया में अगर किसी शो का सबसे ज्यादा इंतजार होता है, तो वो है एकता कपूर का सुपरनैचुरल ड्रामा 'नागिन'। इस शो के अब तक 6 सीजन आ चुके हैं और हर सीजन ने टीआरपी के मामले में झंडे गाड़े हैं। अब बारी है 'नागिन 7' की, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त बज बना हुआ है। यह शो 27 दिसंबर को कलर्स टीवी पर दस्तक देने जा रहा है। हाल ही में इस शो को लेकर एक बहुत बड़ी अपडेट सामने आई है, जिसे सुनकर फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। यह कन्फर्म हो चुका है कि बिग बॉस 16 और उडारियां फेम प्रियंका चाहर चौधरी इस बार नागिन बनकर पर्दे पर आग लगाने वाली हैं। अब नागिन 7 में टीवी के मशहूर एक्टर साहिल उप्पल की भी एंट्री हो गई है। साहिल उप्पल, जिन्हें आपने 'पिंजरा खूबसूरती का' जैसे शोज में देखा है, अब 'नागिन 7' में एक अहम रोल निभाते नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि साहिल इस शो में पैरेलल लीड के तौर पर दिखेंगे। हालांकि, साहिल की तरफ से अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन गलियारों में इसकी चर्चा जोरों पर है। सिर्फ प्रियंका और साहिल ही नहीं, इस बार मेकर्स ने कास्टिंग पर काफी मेहनत की है। शो में 'इश्क का रंग सफेद' फेम ईशा सिंह और 'एक दीवाना था' फेम नमिक पॉल भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा विहान वर्मा, रिब्बू मेहरा, कुशाग्र दुआ, प्रतीक्षा राय, निवेदिता पाल और आफरीन दबेस्तानी जैसे कलाकार भी अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरेंगे।

मॉडलिंग से की थी कॅरियर की शुरुआत

नई दिल्ली। इंडियन टेलीविजन इंडस्ट्री में चार्म, टैलेंट और अपने दमदार काम के लिए मशहूर रवि दुबे ने अपने कॅरियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। रवि ने कभी नहीं सोचा था कि वह टीवी और फिल्म इंडस्ट्री को अपना फुलटाइम पेशा बना पाएंगे, क्योंकि उनके पिता का मानना था कि पढ़ाई एक्टिंग से ज्यादा जरूरी है। टीवी शो सास बिना ससुराल और जमाई राजा में दामाद के किरदार ने रवि दुबे को दर्शकों का चहेता बना दिया। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में जन्मे रवि एक साधारण परिवार से आते हैं। उन्हें बचपन से ही एक्टिंग का शौक था। उनके पिता सिविल इंजीनियर हैं और मां हाउसवाइफ हैं। साल 2006 रवि दुबे के लिए खास रहा, क्योंकि इसी साल उन्हें शो स्त्री तेरी कहानी मिला। इसके बाद उन्होंने डोली सजा के और यहां के हम सिकंदर जैसे शोज में काम किया। काम तो लगातार मिलता रहा, लेकिन असली पहचान का सफर थोड़ा लंबा था। साल 2010 में आए टीवी सीरियल सास बिना ससुराल से रवि दुबे को पहचान मिली।

अगस्त्य पर नजरें टिक जाती हैं

इक्कीस देखकर भावुक हुए अमिताभ

मुंबई। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपनी नाती अगस्त्य नंदा की आने वाली फिल्म 'इक्कीस' देखने के बाद भावनाएं साझा कीं। बिग बी फिल्म देखने के बाद काफी भावुक हो गए और उनकी फीलिंग्स साफ तौर पर छलक पड़ीं। उन्होंने इसे केवल एक नाना की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि सिनेमा को गंभीरता से देखने वाले दर्शक की राय बताया। उन्होंने लिखा कि अगस्त्य को स्क्रीन पर देखकर उनके मन में बीते वर्षों की कई यादें एक साथ उमड़ पड़ीं- जन्म से लेकर बड़े होने तक का सफर। लेकिन इन भावनाओं से अलग, उन्होंने अगस्त्य के अभिनय की भी खुलकर सराहना की। बिग बी के मुताबिक, अगस्त्य का अभिनय परिपक्व, सधा हुआ और पूरी तरह किरदार में ढला हुआ है। उन्होंने कहा कि अगस्त्य ने अरुण खेत्रपाल के किरदार को बिना किसी बनावट के निभाया है, जो सीधे दिल तक पहुंचता है। बिग बी ने यह भी कहा कि जब अगस्त्य फ्रेम में होते हैं, तो दर्शक अनायास ही सिर्फ उन्हें देखने लगते हैं। उनके अनुसार, यह किसी पारिवारिक रिश्ते की वजह से कही गई बात नहीं है, बल्कि एक अनुभवी दर्शक की ईमानदार प्रतिक्रिया है। फिल्म की कहानी, लेखन और निर्देशन को भी उन्होंने लगभग बेदाग बताया और कहा कि फिल्म खत्म होने के बाद आंखें गर्व और खुशी के आंसुओं से भर जाती हैं। 'इक्कीस' भारतीय सेना के जांबाज अफसर सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के असाधारण जीवन पर आधारित एक बायोग्राफिकल वॉर ड्रामा है। यह फिल्म उस वीर सैनिक की कहानी कहती है, जिन्हें 1971 के भारत-पाक युद्ध में अद्भुत साहस दिखाने के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। खास बात यह है कि अरुण खेत्रपाल भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता थे। फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक श्रीराम राघवन ने किया है और यह 1 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

धुरंधर की सफलता से बदले रणवीर के तेवर, डॉन 3 से खींचा हाथ...

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह छाए हुए हैं। उनकी फिल्म 'धुरंधर' कमाई के मामले में सबसे आगे निकल चुकी है और साल 2025 की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई है। हमजा और जसकीरत के रोल में उन्हें खूब पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म के बाद फैंस उन्हें 'डॉन 3' में देखने के लिए बेकरार हो रहे थे, जो लंबे समय से रुकी हुई है। पर ऐसा लग रहा है कि ये इंतजार और लंबा हो सकता है या फिर ये इंतजार कभी खत्म ही ना हो! जी हां, ये खबर आ रही है कि रणवीर ने फरहान अख्तर की इस फिल्म से किनारा कर लिया है। ऐसे में मेकर्स को नए हीरो की तलाश करनी होगी। एक सूत्र ने कहा, 'धुरंधर की अपार सफलता के बाद रणवीर को यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वह आगे किस तरह की फिल्में करना चाहते हैं। वह संजय लीला भंसाली, लोकेश कनगराज और एटली जैसे फिल्म निर्माताओं के साथ काम करने के इच्छुक हैं। वो लगातार गैंगस्टर फिल्मों में नजर नहीं आना चाहते। खासकर तब जब 'धुरंधर' पहले ही इस स्टाइल अपनी पहचान बना चुकी है। यही एक कारण है कि उन्होंने जय मेहता से 'प्रलय' की शूटिंग पहले शुरू करने के लिए कहा है। रणवीर इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने और योजना से पहले ही इसकी शूटिंग शुरू करने के लिए एक्साइटेड हैं।'

प्रलय की शूटिंग को दी प्राथमिकता

'प्रलय' अपलॉज एंटरटेनमेंट की फिल्म 'जॉम्बी' पर आधारित है। ये एक मानवीय कहानी बयां करती है कि कैसे एक आदमी सबसे मुश्किल हालातों में भी अपने परिवार को बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। सूत्र ने बताया, 'अब जब सिंह ने 'डॉन 3' के बजाय अन्य प्रोजेक्ट को प्राथमिकता दी है, तो वे जय मेहता की फिल्म की शूटिंग की तारीखों और शेड्यूल को तय करने में पर्सनली शामिल हैं, ताकि फिल्म का काम तेजी से आगे बढ़ सके।'

डॉन 3 हुई पोस्टपोन

डॉन 3 की बात करें तो एक अंदरूनी सूत्र ने पुष्टि की है, धुरंधर की रिलीज के तुरंत बाद रणवीर को डॉन 3 की तैयारी शुरू करनी थी। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए, फिल्म को अब पोस्टपोन कर दिया गया है।' इस एक्शन थ्रिलर मूवी में कृति सेनन हैं। वैंड पैमाने पर बनने वाली इस मूवी की शूटिंग यूरोप की कई लोकेशन पर होगी।

न्यू ईयर के लुक के लिए ले सकते हैं टिप्स

इन सितारों का 2025 में फैशन रहा एकदम टॉप क्लास

नई दिल्ली। जब बात फैशन की आती है, तो लड़की हो या फिर लड़का हर कोई परफेक्ट दिखने के साथ-साथ कॉन्फिडेंट भी लगना चाहता है। खास तौर पर किसी स्पेशल फंक्शन पर। हम सब भी दिसंबर के अंतिम दिनों में पहुंच चुके हैं और नए साल में एंट्री करने जा रहे हैं। अगर आपका वेकेशन या पार्टी प्लान है और आप ये डिसाइड नहीं कर पा रहे हैं कि न्यू ईयर पर सिम्पली कैसे ब्यूटीफुल या हैंडसम दिखा जाए, तो आज हम अपने इस आर्टिकल में आपको उन सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका फैशन गेम 2025 में एकदम हाई रहा है, उनकी एक झलक देखकर फैंस की आंखें उनके खूबसूरत अटायर पर टिक गईं।

शाहरुख : शाहरुख खान बॉलीवुड के बादशाह तो पहले से ही थे, लेकिन साल 2025 में वह फैशन गेम के भी किंग बन गए। उन्होंने इस साल मेट गाला में रेड कारपेट पर डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने सब्यसाची के डिजाइनिंग क्लोथ पहने। ऑल ब्लैक लुक के सह उन्होंने गले में चैन, एक डायमंड ब्रोच और 18 कैरेट सोने की टाइगर कैन थी। उनके इस लुक की काफी चर्चा हुई।

आलिया : आलिया भट्ट को अक्सर दीपिका पादुकोण जैसे सिमिलर कपड़े पहनने के लिए सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता था। हालांकि, इस बार उन्होंने सबकी बोलती बंद की, जब वह कांस फिल्म फेस्टिवल 2025 में गुच्ची गाला आउटफिट में रेड कारपेट पर उतरीं। बेज रंग के इस ब्लाउज के साथ उनकी स्कर्ट में आलिया बहुत ही खूबसूरत लगीं। उन्होंने अपने इस लुक के साथ मिनिमल मेकअप रखा।

नीता अंबानी : भारत की सबसे अमीर शख्सियत में से एक नीता अंबानी की डिजाइनर साड़ियां फैंस को बहुत लुभाती हैं। लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम बॉल में इंडियन कल्चर एम्बेसडर बनकर पहुंचीं नीता अंबानी ने इस खास मौके पर कांजीवरम साड़ी पहनी थी, जिसके साथ उन्होंने सिल्वर एम्ब्रायडरी वाला ब्लाउज कैरी किया हुआ था। अगर आप अपने वेस्टर्न लुक से बोर हो गए हैं, तो नीता अंबानी के इस ट्रेडिशनल लुक को जरूर अपना सकते हैं।

रणवीर : साल 2025 में रणवीर सिंह ने अपने अतरंगी फैशन को छोड़कर कुछ ऐसा अपनाया जिससे लोग हैरान रह गए। धुरंधर एक्टर ने कपड़ों की भरपूर लेयरिंग, एक्सपेरिमेंटल सिलुएट्स और बेबाक रंगों का इस्तेमाल किया, जिसने मीम कल्चर और पैपराजी की रील्स दोनों में दबदबा कायम रखा।

कियारा : साल 2025 में कियारा आडवाणी ने न सिर्फ रेड कारपेट पर अपना पहला अपीरियंस दिया, बल्कि उन्होंने एक कहानी भी गढ़ दी। गर्भवती होने के बावजूद मेट गाला में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराते हुए, कियारा ने फैशन की सबसे चर्चित शाम को एक ऐसे कल्चरल मोमेंट बना दिया। ब्लैक एंड व्हाइट गाउन पर गोल्डन रंग का हार्ट उनके इस लुक को और भी खास बना रहा था। इस लुक ने फैंस को काफी आकर्षित किया था।

दिलजीत : दिलजीत दोसांझ इस बार जब मेट गाला में महाराजा इंस्पायर्ड लुक धारण करके आए थे, तो फैंस उन्हें बस एकटक निहारते ही रह गए थे। प्रबल गौरांग के डिजाइन किए गए व्हाइट शेरवानी के साथ दिलजीत ने टर्बन और तलवार ली थी। उनके इस लुक को अभी तक किसी भी भारतीय के इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर बेस्ट लुक बताया गया था। अगर आप नए साल पर थीम पार्टी का प्लान कर रहे हैं, तो ये लुक जरूर अपना सकते हैं।

अनन्या : अनन्या पांडे वेस्टर्न ड्रेस पहने या फिर इंडियन फैंस उनके दीवाने हो ही जाते हैं। 2025 में उनका फैशन गेम भी ऑन रहा, खास तौर पर जब फैंस ने उन्हें एक इवेंट पर ऑरेंज रंग की बनारसी साड़ी में देखा, तो बस एक नजर देखते ही रह गए।

एलियन मिलने वाले हैं! ब्रिटेन की टॉप वैज्ञानिक ने रखी टाइमलाइन

2025 के दौरान ज्यादातर टाइम एलियंस, यूएफओ, यूएपी, ब्रह्मांड में एलियंस के अस्तित्व और उनके भविष्य में इंसानों से मिलने की संभावना जैसी चर्चाओं से भरा रहा है। जिसमें 3I/एटलस नाम के इंटरस्टेलर ऑब्जेक्ट के धरती के पास आने की चर्चा और भी तेज हो गई।

लंदन। क्योंकि, कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि ये इतने सीधे रास्ते पर है कि ये शायद एक एलियन का अंतरिक्ष यान हो सकता है। अब इस चर्चा में ब्रिटेन की एक शीर्ष अंतरिक्ष वैज्ञानिक भी शामिल हो चुकी हैं। उन्होंने घोषणा घोषणा करते हुए कहा कि उन्हें पूरी तरह से विश्वास है कि ब्रह्मांड में एलियंस मौजूद हैं और उन्होंने एलियंस की खोज के लिए एक तय समय सीमा भी बताई है।

2075 में मिलेंगे एलियन

वैज्ञानिकों ने इसके लिए एक ड्रेक समीकरण भी प्रस्तुत किया है। जिसके अनुसार ब्रह्मांड में आकाशगंगाओं की बड़ी संख्या ये दर्शाती है कि हम अकेले नहीं हैं। क्योंकि, अकेले मिल्की वे आकाशगंगा में ही 300 अरब से अधिक तारे हैं, जिनमें सभी हमारे सूर्य के समान हैं और कुछ तो उससे भी बड़े हैं। खगोलविदों का दावा है कि हमारे सौर मंडल के बाहर तारों की परिक्रमा करने वाले हजारों ग्रहों की खोज हुई है। जिनमें अकेले नासा ने ही कम से कम 6000 दूसरे ग्रहों की पुष्टि की है। आपको बता दें कि पृथ्वी से लगभग 124 प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक ऐसा ही ग्रह के2–18बी 2025 में सुर्खियां बटोर चुका है। ये पृथ्वी से बड़ा है और अपने रहने लायक क्षेत्र में मौजूद एक लाल बौने तारे की परिक्रमा करता है। जिसके वायुमंडल में वैज्ञानिकों ने ऐसे अणुओं का भी पता लगाया है, जो केवल तभी संभव हैं जब वहां किसी प्रकार का जीवन मौजूद हो।

मैगी ने किया दावा

उनका मानना है कि अगले 50 साल के अंदर एलियन मिल जाएंगे। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग की डेम मैगी एडरिन-पोकॉक ने यह भी दावा किया कि इंसान 2075 तक किसी दूसरे ग्रह पर जीवन की खोज कर लेगा। हालांकि, उनकी इस बात पर लगभग सभी वैज्ञानिक इस बात पर सहमत हैं कि जब कभी भी किसी एलियंस की खोज होगी तो वो तकनीकी तौर पर हमेशा कहीं ज्यादा विकसित होगी। डेम मैगी का भी यही मानना है और वो कहती है कि जब कभी एलियंस मिलेंगे तो वो इंसानों से कहीं अधिक प्राचीन होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मैगी ने यह भी का कि ब्रह्मांड में लगभग 200 अरब से ज्यादा आकाशगंगाएं होने का अनुमान है, जिसके चलते पृथ्वी ही अकेली ऐसी जगह नहीं हो सकती जहां जीवन के लिए आवश्यक तत्व मौजूद हों। उन्होंने अपनी थ्योरी पर विश्वास जताते हुए कहा कि कहीं न कहीं जीवन अवश्य है। इसके पीछे उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि इतने सारे तारों और इतने सारे ग्रहों के होते हुए, जीवन सिर्फ धरती पर ही क्यों होगा।

रोचक खबरें

रसोई की मरम्मत में निकला 400 साल पुराना खजाना

लंदन। इंग्लैंड के वेस्ट डॉर्सेट में रहने वाले रॉबर्ट फूक्स और उनकी पत्नी बेट्टी फूक्स अपने 400 साल पुराने फार्महाउस की किचन का रेनोवेशन कर रहे थे। मकसद था फर्श को थोड़ा नीचे कर छत की ऊंचाई बढ़ाना, लेकिन उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि यह फैसला इतिहास बना देगा। जैसे ही रॉबर्ट ने कंक्रीट फर्श हटाकर गहरी खुदाई शुरू की, उनकी गैंती किसी सख्त चीज से टकराई। टॉर्च की रोशनी में जो दिखा, उसने सबको चौंका दिया...मिट्टी के बर्तन में भरे चमकदार पुराने सिक्के। इस टूटे हुए बर्तन के भीतर करीब 100 से ज्यादा सोने और चांदी के सिक्के थे। बाद में विशेषज्ञों ने पुष्टि की कि ये सिक्के 1642 से 1644 के बीच के हैं, यानी इंग्लैंड के पहले सिविल वॉर के समय के। इस संग्रह को अब पोर्टन कॉइन होर्ड के नाम से जाना जाता है। इसमें किंग जेम्स प्रथम और किंग चार्ल्स प्रथम के सोने के सिक्के, साथ ही क्वीन एलिजाबेथ प्रथम, फिलिप और मैरी के शासनकाल के चांदी के हाफ क्राउन, शिलिंग और सिक्सपेंस शामिल थे। इतिहासकारों के मुताबिक, उस दौर में इंग्लैंड गृहयुद्ध की आग में जल रहा था। सैनिक गांव-गांव जाकर खाने और कीमती सामान की मांग करते थे। जिस परिवार पर किसी एक पक्ष का समर्थन करने का शक होता, उसकी संपत्ति जब्त कर ली जाती। ऐसे में लोग अपना धन सुरक्षित रखने के लिए जमीन में दबा देते थे। माना जा रहा है कि फूक्स परिवार के पूर्वजों ने भी इसी डर में ये सिक्के छिपाए, लेकिन शायद युद्ध या मौत के कारण वे इन्हें वापस निकालने कभी नहीं लौट पाए।

बहुत ज्यादा खाती है...शख्स ने अपनी मंगेतर पर किया केस, मांगे खर्च किए हुए 6 लाख

बीजिंग। अपनी मंगेतर, गर्लफ्रेंड या पत्नी पर पैसे खर्च करना तो आम बात है। हर कोई करता है, लेकिन इसके लिए कोई उसपर केस कर दे, ये बड़ा ही अजीब और हास्यास्पद लगता है, पर चीन में कुछ ऐसा ही हुआ है और ये अजीबोगरीब घटना इंटरनेट पर भी चर्चा का विषय बन गई है। दरअसल, यहां एक शख्स ने ये कहकर अपनी मंगेतर पर मुकदमा दायर कर दिया कि उसने बहुत ज्यादा खा लिया था और अब उसने उसपर खर्च किए गए सारे पैसे वापस करने की मांग की है। इस अदालती सुनवाई की खबर 9 दिसंबर को सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. हालांकि इसके बाद उसे ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। चीनी मीडिया के मुताबिक, वांग नाम के शख्स ने अपनी मंगेतर पर मुकदमा दायर कर उसके परिवार द्वारा मंगेतर के परिवार पर खर्च किए गए 20,000 युआन (2,800 अमेरिकी डॉलर) यानी करीब 2.50 लाख रुपए लौटाने की मांग की है। इसके अलावा उसने उससे वो 30,000 युआन (4,200 अमेरिकी डॉलर) यानी करीब 3.76 लाख रुपए भी वापस करने की भी मांग की, जो उसने डेटिंग के दौरान उसपर खर्च किए थे। इसमें कपड़ों की खरीदारी भी शामिल थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वांग और उनकी मंगेतर दोनों ही चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत स्थित एक ही गांव के रहने वाले हैं। उनकी मुलाकात एक मीडिएटर के जरिए हुई थी और उसके बाद उन्होंने सगाई कर ली।

डिलीवरी बॉय ने 5 साल में बचाए 1.43 करोड़ रुपए, चुकाया कर्ज

बीजिंग। एक डिलीवरी बॉय कितना ही कमा लेता होगा? शायद ये बात कभी-कभी आपके भी दिमाग में आती होगी। आपको लगता होगा कि डिलीवरी बॉय अपना और अपने परिवार का पेट पालने भर तो आराम से कमा लेते होंगे, लेकिन आजकल चीन का एक ऐसा फूड डिलीवरी बॉय वायरल हो रहा है, जिसने अपनी कमाई से सबको हैरान-परेशान कर दिया है। दरअसल, इस डिलीवरी बॉय ने फूड डिलीवरी करके पिछले पांच साल में 1.12 मिलियन युआन (160,000 अमेरिकी डॉलर) यानी करीब 1.43 करोड़ रुपये की बचत की है और अपना पूरा कर्ज चुका दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 25 वर्षीय झांग जुएकियांग साल 2020 में एक प्रमुख प्लेटफॉर्म में डिलीवरी का काम करने के लिए शंघाई आए थे. उससे पहले वो दक्षिणपूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के झांगझोउ स्थित अपने गृहनगर में अपने दोस्त के साथ मिलकर एक छोटा सा ढाबा चलाते थे, लेकिन वो बंद हो गया, जिसकी वजह से उनपर 50,000 युआन (7,000 अमेरिकी डॉलर) करीब 6.27 लाख रुपये का कर्ज हो गया। फिर उन्होंने फूड डिलीवरी का काम किया और अपना सारा कर्ज चुका दिया।

डिलीवरी के काम से कमाए 1.4 मिलियन युआन

पिछले महीने यानी नवंबर में झांग ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें बताया था कि उन्होंने पिछले पांच सालों में अपने डिलीवरी के काम से 1.4 मिलियन युआन कमाए हैं। उन्होंने बताया कि इन पैसों से अपने कर्ज चुका दिए और अपने रहने-खाने के खर्चों को घटाने के बाद वो 1.12 मिलियन युआन बचाने में कामयाब रहे।

हफ्ते में सातों दिन करते हैं काम

झांग ने बताया, 'मैं दिन में लगभग 13 घंटे और हफ्ते में सातों दिन काम करता हूं। खाने और सोने के अलावा मैं अपना सारा समय ग्राहकों को खाना पहुंचाने में बिताता हूं। वह सुबह 10.40 बजे काम शुरू करते हैं और अगले दिन सुबह 1 बजे तक काम करते हैं। वह हर दिन 8.5 घंटे सोते हैं, ताकि खुद को रिफ्रेस कर सकें। उन्होंने बताया कि वो अक्सर एक महीने में 300 से अधिक ऑर्डर पूरे करते हैं, जिनमें से प्रत्येक में औसतन 25 मिनट लगते हैं। कुल मिलाकर डिलीवरी के दौरान उन्होंने 324,000 किलोमीटर की दूरी तय की है। इसीलिए उनके साथियों ने उन्हें 'डिलीवरी किंग' नाम दिया है। झांग ने कहा कि उन्होंने अपनी कहानी ऑनलाइन इसलिए शेयर की है, क्योंकि वह अपनी उपलब्धि से खुश हैं। वह कहते हैं, 'आखिरकार मैंने कड़ी मेहनत करके अपने कर्ज चुका दिए हैं और काफी बचत भी कर ली है'। उन्होंने कहा कि उनकी योजना अगले साल शंघाई में दो नाश्ते की दुकानें खोलने की है, जिसमें करीब एक करोड़ रुपये खर्च होंगे।

दावा

क्या बदल जाएगी मेडिकल साइंस की दुनिया?

जहर ही देगा जिंदगी, मधुमक्खियां करेंगी 'ब्रेस्ट कैंसर' का इलाज!

ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों वैज्ञानिकों ने पाया कि मधुमक्खियों का जहर आक्रामक स्तन कैंसर सेल्स को खत्म करने में काफी कारगर है। इस खोज को रोमांचक बताते हुए दावा किया जा रहा है कि हम जल्दी ही और रिसर्च के साथ दुनियाभर की महिलाओं में होने वाले स्तन कैंसर के मेडिकल इलाज में इसका इस्तेमाल कर सकेंगे।

केनबरा। अगर मधुमक्खी आपको डंक मार दे तो आप को असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ती है और कभी-कभी ज्यादा मधुमक्खियों के हमले से इंसान की जान भी जा सकती है। अब अगर हम आपको बताएं कि मधुमक्खी के जहर से कैंसर जैसी घातक बीमारी का इलाज भी किया जाता है तो आप हैरत में पड़ जाएंगे। आप बिलकुल मत चौंकिए ये बिल्कुल सही है। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने इस पर शोध शुरू कर दिया है। वैज्ञानिकों ने पाया कि मधुमक्खियों का जहर आक्रामक स्तन कैंसर सेल्स को खत्म करने में काफी कारगर है। इस खोज को रोमांचक बताते हुए दावा किया जा रहा है कि हम जल्दी ही और रिसर्च के साथ दुनियाभर की महिलाओं में होने वाले स्तन कैंसर के मेडिकल इलाज में इसका इस्तेमाल कर सकेंगे।

मधुमक्खी के ज़हर का इस्तेमाल, इसमें मौजूद मेलिटिन नाम के कंपाउंड के साथ दो तरह के कैंसर ट्रिपल-नेगेटिव और एचईआर2-एनरिच्ड के खिलाफ किया गया है जिनका इलाज करना सबसे मुश्किल है। यह कॉम्बिनेशन इन सेल्स की वायबिलिटी को कम करने में असरदार पाया गया। 25 साल की PhD रिसर्चर सिएरा डफी ने इस स्टडी को लीड किया उन्होंने बताया, 'हमने पाया कि मधुमक्खी का ज़हर और मेलिटिन दोनों ने ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर और एचईआर2-एनरिच्ड ब्रेस्ट कैंसर सेल्स की वायबिलिटी को काफी हद तक, चुनिंदा तरीके से और तेज़ी से कम किया।'

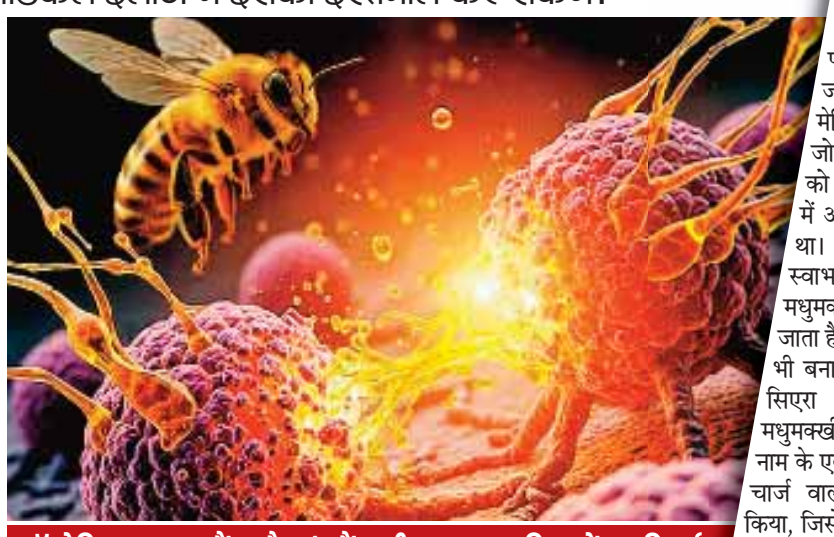

ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और इंग्लैंड की 312 मधुमक्खियों पर रिसर्च

यह स्टडी, जो वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में हैरी पर्किन्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा की गई थी, नेचर प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी, एक पीयर-रिव्यूड जर्नल में पब्लिश हुई थी। डॉ. सिएरा डफी ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और इंग्लैंड में 312 मधुमक्खियों और भौंरों से लिए गए ज़हर के असर का अध्ययन अलग-अलग तरह के ब्रेस्ट कैंसर पर किया, जिसमें ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर भी शामिल है, जिसके इलाज के बहुत कम ऑप्शन हैं। स्टडी में पाया गया कि ज़हर की एक खास कंसंट्रेशन एक घंटे के अंदर कैंसर सेल्स को मारने में सक्षम थी, जबकि हेल्दी सेल्स को कम से कम नुकसान पहुंचा रही थी। हालांकि, ज़्यादा डोज़ ज़्यादा ज़हरीली पाई गईं।

सिंथेटिक रूप से भी बनाया जा सकता है मेलिटिन

रिसर्चर्स ने यह भी पाया कि मधुमक्खी के जहर में पाया जाने वाला मेलिटिन एक कंपाउंड है जो कैंसर सेल्स की ग्रोथ को रोकने या बाधित करने में अपने आप में असरदार था। हालांकि, मेलिटिन स्वाभाविक रूप से मधुमक्खी के जहर में पाया जाता है। इसे सिंथेटिक रूप से भी बनाया जा सकता है। डॉ. सिएरा ने बताया, 'हमने मधुमक्खी के ज़हर में मेलिटिन नाम के एक बहुत छोटे पॉजिटिव चार्ज वाले पेप्टाइड का टेस्ट किया, जिसे हम सिंथेटिक रूप से बना सकते थे और पाया कि सिंथेटिक प्रोडक्ट ने मधुमक्खी के जहर के ज़्यादातर एंटी-कैंसर असर को समझाया।' ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर इस बीमारी के सबसे आक्रामक रूपों में से एक है और आमतौर पर इसका इलाज सर्जरी, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी से किया जाता है। यह सभी ब्रेस्ट कैंसर के मामलों का लगभग 10-15% होता है।

जंगल से निकल मंदिर की सीढ़ियों पर पहुंच गया शेर डरकर भागने लगे श्रद्धालु

नई दिल्ली। इंटरनेट पर एक बेहद हैरान और डराने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो देखने के बाद आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। यह मामला गुजरात के विश्व प्रसिद्ध जैन तीर्थधाम पालिताना का है। यहां पर 22 दिसंबर की सुबह शत्रुंजय पर्वत की सीढ़ियों पर श्रद्धालुओं के सामने अचानक बब्बर शेर आ गया। यात्रा के रास्ते शेर को घूमता देख वहां मौजूग श्रद्धालुओं की सांसें रुक गईं। बीते दो महीनों में दूसरी इस पवित्र पर्वत पर शेर नजर आया है।

लोगों के सामने आ गया अचानक शेर

: बताया जा रहा है कि रविवार सुबह 10 बजे का यह मामला है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए शत्रुंजय पर्वत पर चढ़ाई कर रहे थे और कुछ लोग नीचे की तरफ उतर रहे थे। इसी दौरान अचानक सीढ़ियों पर एक शेर टहलता हुआ आ पहुंचा। सामने शेर को देखकर वहां भगदड़ जैसा माहौल हो गया। वायरल वीडियो में डर का माहौल साफ देख सकते हैं। वीडियो में एक युवक को डरकर चिल्लाते हुए सुना जा सकता है कि ए भाई, इस साइड आ रहा है। कुछ महिलाएं एक-दूसरे को शांत रहने और शोर न मचाने की बात कह रही हैं। डर के माहौल में भी कुछ श्रद्धालुओं की आस्था नहीं डगमगाई और वे 'जय आदिनाथ' का जाप करते हुए भगवान को याद करने लगे।

किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा

वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग ने भी इसकी पुष्टि की है। फॉरेस्ट अधिकारी एस.डी. बारैया ने मीडिया को जानकारी दी कि यह वीडियो 22 दिसंबर, 2025 की सुबह का ही है। उन्होंने बताया कि शत्रुंजय गिरिराज पर्वत जंगल क्षेत्र का ही इलाका है, इसलिए अक्सर वन्यजीव एक हिस्से से दूसरे हिस्से में जाने के लिए सीढ़ियों का इस्तेमाल करते हैं। अच्छी बात यह है कि इस घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। वन विभाग ने कहा कि इलाके में लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है। साथ ही यात्रियों से अपील की जा रही है कि अगर जंगल क्षेत्र में कोई जंगली जानवर नजर आए शोर मचाने या वीडियो बनाने के लिए पास जाने की गलती न करें, बल्कि शांति बनाकर रखें।

दुनिया की सबसे अनोखी जगह, जहां 82 साल से रुका हुआ है समय!

लंदन। दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जिनके बारे में जानकर लोग चौंक जाते हैं। अक्सर लोग इनकी चर्चा करते हैं। धरती पर एक ऐसा ही गांव जिसकी समय-समय चर्चा होती है। यहां गांव इंग्लैंड में स्थित हैं। यहां पर जाने पर पता चलता है कि समय थम गया है। गांव में घर, गलियां, चौराहे, लैंपपोस्ट सब 20वीं सदी के शुरुआत की तरह ही हैं। इस गांव में आने वाले को ऐसा लगता है, जैसे वो एक सदी पीछे चला गया हो।

साल 1943 टाइनहम गांव के लिए अहम साबित हुआ। ब्रिटिश सेना ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान इस गांव को कब्जे में ले लिया, क्योंकि यहां पर सैन्य ट्रेनिंग होनी थी। लुलवर्थ फायरिंग रेंज के पास यह गांव है। इसकी वजह से इसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना गया। सेना के आदेश के बाद पूरे गांव को खाली करा दिया गया, जिसने सैकड़ों जिंदगियों को हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। यहां के रहने वाले लोग अपना बलिदान राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में मानते हुए गांव खाली कर दिया। लोगों को युद्ध खत्म होने के बाद लौटने की उम्मीद थी।

कभी नहीं लौट पाए यहां के निवासी

पत्थर के घर, सुनसान सड़कें और खामोशी अभी उन लोगों की याद दिलाती है, जो कभी यहां पर हंसी-खुशी के साथ अपने परिवार के साथ रहते थे। यह गांव आज भी अपने बीते कल को सीने से लगाए है। यहां पर एक समृद्ध समुदाय के लोग रहते थे। गांव को छोड़ने के बाद उन्हें फिर कभी वापस लौटने की इजाजत नहीं दी गई। टाइनहैम गांव ब्रिटिश इतिहास का एक अनोखा हिस्सा है। अतीत का एक ऐसा अवशेष जो स्मृतियों में हमेशा याद रखा जाएगा।

दुनिया की ऐसी 7 जगह जो दिखती तो सुंदर हैं, लेकिन वहां जाना मौत से मिलने जैसा

दुनिया में खूबसूरत जगहों की कोई कमी नहीं है, लेकिन कुछ जगहें जितनी आकर्षक होती हैं, उतनी ही खतरनाक भी साबित हो सकती हैं। ये डेस्टिनेशन अपने असाधारण प्राकृतिक हालात और अनछुए माहौल से एडवेंचर पसंद करने वालों को अपनी ओर खींचते हैं, लेकिन इन्हें देखने के लिए बहुत हिम्मत, तैयारी और रिस्क लेने का जुनून चाहिए। हालांकि, इनमें से कुछ जगहें इतनी खतरनाक हैं कि वहां जाने के लिए आपको खास परमिट की ज़रूरत होती है, और कुछ तो इंसानों के लिए बैन भी हैं।

जहरीले सांपों का घर स्नेक आइलैंड, ब्राजील

ब्राजील के तट पर बसा यह आइलैंड दुनिया के सबसे ज़हरीले सांपों का घर है। यहां दुर्लभ और बहुत खतरनाक प्रजाति, गोल्डन लांसहेड वाइपर, पाई जाती है, और इनकी संख्या इतनी ज़्यादा है कि हर कदम पर सांप मिलने की संभावना है। सुरक्षा कारणों से, इस जगह पर टूरिस्ट की एंट्री पूरी तरह से मना है।

नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड, इंडिया

अंडमान आइलैंड का हिस्सा, यह आइलैंड सेंटिनलीज़ ट्राइब के लिए जाना जाता है, जो वहां बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग-थलग रहते हैं। वे बाहरी लोगों को पास आने नहीं देते और गुस्से में रिएक्ट करते हैं। वहां जाना न सिर्फ गैर-कानूनी है बल्कि जानलेवा भी हो सकता है।

डानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया

धरती की सबसे गर्म जगहों में से एक माना जाने वाला डानाकिल डिप्रेशन ज्वालामुखी एक्टिविटी, एसिडिक झीलों और ज़हरीली गैसों के लिए जाना जाता है। दिन में टेम्परेचर 50 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा हो सकता है। इसके रंगीन लेकिन खतरनाक सल्फर पूल इसे खूबसूरत और डरावना दोनों बनाते हैं जिससे यह दुनिया की सबसे खतरनाक जगहों में से एक बन जाती है।

डेथ वैली सबसे सूखी जगह, यूएसए

कैलिफ़ोर्निया और नेवाडा के बीच मौजूद, डेथ वैली दुनिया की सबसे गर्म और सबसे सूखी जगह है। यहां टेम्परेचर अक्सर 54 डिग्री सेल्सियस से ज़्यादा हो जाता है। पानी और छांव की कमी से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा होता है। इसलिए, बिना तैयारी के जाना जानलेवा हो सकता है।

बिकिनी एटोल, मार्शल आइलैंड्स

यह शांत दिखने वाला आइलैंड कभी न्यूक्लियर टेस्टिंग सेंटर था। मिट्टी, पानी और समुद्री जीवों में रेडिएशन की मौजूदगी जानलेवा है। इसके अलावा, आस-पास के पानी में बड़ी संख्या में शार्क रहती हैं, जो इंसानों के लिए खतरनाक हैं।

माउंट एवरेस्ट, नेपाल

दुनिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना हर माउंटेन क्लाइंबर का सपना होता है, लेकिन यह बहुत खतरनाक जगह भी है। ऑक्सीजन की कमी, एवलांच, बहुत ज़्यादा ठंड और ट्रैफिक जाम जैसी दिक्कतें इसे जानलेवा बना देती हैं। इस चैलेंज को पूरा करने की कोशिश में कई क्लाइंबर अपनी जान गँवा चुके हैं।

लेक नेट्रॉन, तंजानिया

यह नमकीन झील अपने एल्कलाइन पानी और लाल रंग के लिए मशहूर है। ऐसा ज्वालामुखी की एक्टिविटी की वजह से होता है, और पानी को छूने से जलन हो सकती है और मौत भी हो सकती है।